



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

शास्त्रिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



म. 10]

No. 10]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 27, 1987/वयोळ 6, 1909

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 27, 1987/JYAISTHA 6, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे किं यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

कार्यालय बाबत आयकर वार्ता (निरीक्षण)

अंतर्गत रोज़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269 वा (1) के
अधीन सुनिता।

नई दिल्ली, 21 मई, 1987

निर्देश ग. ० आई.० ८० शी.० पक्षा./१/३७/६६/४-४६/३२२। —अत.
पूर्व प्रमोसी० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हमें इसके पात्रात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा
के अधीन सभी अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि आयकर
ममता, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है
और जिसकी मंज्वा है तथा जो पांच नं. 408, 38, नेश्वर प्लैट, नई
दिल्ली में स्थित है (और हमें उपर्युक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), मशम अधिकारी के कार्यालय में भर्तीप्राप्त आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 कानून के अधीन तारीख अप्रैल 1986 को पूर्वोक्त ममता
के उचित बाजार मूल्य से कम दूसरान विकल के लिए अन्वित की गई
है और मूले यह विष्वास करने का कारण है कि यथावृत्ति ममता का
उचित-बाजार मूल्य, उसके दूसरान विकल से, ऐसे दूसरान विकल के
पन्द्रह विकल अधिक है और अन्वरका (अन्वरको) और अन्वरना (अन्वरनी)
(अन्वरनी) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तप्त पाया गया विकल भिन्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्वरण से हुई किसी प्राप्त का बाबत आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्वरके
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में मुविद्या के लिए और

(ब) पंसी हिसी प्राप्त या किसी भा या अन्व आधिकारों को, जिनके
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धतकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों अन्वित
द्वारा प्रकार नहीं किया जाना चाहिए था, जिनमें मुविद्या के
लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अन्वण में, मैं उवा
याधिनियम की धारा 269 वा की उप्राप्ति (1) के अधीन निम्नलिखित
अधिकारी शर्मि—

१. भूम्य गुलमहर प्रेसेट पा. लि.
415 रेविंग आवर्क, 6, नेश्वर प्लैट, नई दिल्ली।
(अन्वरक)
२. चमत लाल, गुप्त बाजार गारा गारा गाम प्रौद्योगिकी नं.
आमिरा देशी पन्ती श्री चमतलाल विकल-विकल नं.
204, गर्विय विहार, नई दिल्ली।
(अन्वरनी)
३. श्री/श्रीमति/कुमारी... (वह व्यक्ति जिसके शर्मियों में ममता है)
४. श्री/श्रीमति/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके वर्ते में अधीन
हस्ताक्षरी जानता है कि यह ममता
में हितवत्त है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त नियम के लिए कार्यालय
पूर्ण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन नहीं।

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सवित्री व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्तात्री के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में यथा-परिभ्रष्ट हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 408, 38 नेहरू प्लैस, नई दिल्ली।
क्षेत्र 605 वर्ग फॅट।

तारीख : 21-5-1987

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISI-
TION RANGE

NOTICES UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

New Delhi, the 21st May, 1987

Reference No. I.A.C. (Acq.) Range-I|37EE|8-86|3221.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000/- and bearing No. Flat No. 408, at 38, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s. 269 AB of the I. T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd., 415, Devika Towers, 6, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Chaman Lal So Lala Raja Ram & Mrs. Urmila Devi w/o Mr. Chaman Lal r/o Flat No. 204 Save Priya Vihar, New Delhi. (Transferee)
- (3) Shri/Smt. Km. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Shri/Smt. Km. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 408, at 38, Nehru Place, New Delhi.
Area 605 sq. ft.

Date : 21-5-1987.

Seal :

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी. प्र० सी. 1/37 ई/8-86/3223.—अतः
मूले प्र० सी. 1/37 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विवरास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैट नं. 409, 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन तारीख अगस्त 1986 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यगत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तर्गत में हुई किसी आव की वात्रत्र आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करते या उससे बचते में सुविधा के लिए आपकर

(ख) किसी आव का किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिरके भास्तीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत दारा प्रकट नहीं किया जाता चाहिए था, लिखते में सुविधा के लिए,

का: इब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थना:—

1. मैमर्स गुलमोहर एस्टेट प्रा. लि.
110, देविका टावर्स, 6, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली। (अन्तर्कर)
2. श्री एल. एम. वीग मुमुक्षु को जॉ. वीग
ए-बी मधु गोड, जांगपुरा श्री, नई दिल्ली। (अन्तिमी)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिकार में सम्बन्धित है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके वारे में अधीक्षित जानकारी जानता है कि वह सम्बन्ध में हितबद्ध है),

को यह गुवाना जारी करके पूर्णतः समाज के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शूल करना ।

उस सम्बन्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोन .

(क) इस गुवाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की प्रवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर यूवना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि वाद से समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्णक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित जानकारी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

(ख) इस गुवाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्वाक्षर समाज में हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित जानकारी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

सार्वीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में यथा पर्याप्तानि हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं. 409, 38 नेहरू प्लैस, नई दिल्ली ।

कोडल 605 वर्ष फोटो ।

तारीख: 21-5-1987

(जो लागू न हो उसे काट रीजिस्टर ।)

Reference No. I.A.C. (Acq.)|Range-I|37EE|8-861
3223.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Flat No. 409, at 38 Nehru Place situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s. 269AB of the I. T. Act,

1961 read with rule 48 DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1936 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd., 415, Devika Towers, 6, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. L. M. Wig, S/o Mr. K. G. Wig R/o 4-B, Mathura Road, Jangpura B, New Delhi (Transferee)
- (3) Shri/Smt./Km. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Shri/Smt./Km. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 409, at 38, Nehru Place, New Delhi.
Area 605 Sq. ft.

Date : 21-5-1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्वेण सं.प्रा.इ.ए.सी./एक्यू./1/37इ/8-86/3219.—अतः मुझे एस. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269वां के अधीन सभाम अधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर मंपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संलग्नाएँ हैं तथा जो फ्लेट नं. 410, 38 नेहरू लेम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान ग्रन्तीयों में पूर्ण रूप से वर्णित है), *सभाम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की भारा 269वां के अधीन तारीख अगस्त 1986 को पूर्वोंत मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम हृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्वर्तित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथाधूर्वोंत मंपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिकल के पश्चात् प्रतिष्ठित अधिक है और अन्तरण (प्रनालकों) और अन्वर्तित (प्रनालनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तम अन्तरण विभिन्न में व्यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अतिरिक्त में सविधा के लिए: यो र

(अ) ऐसे किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अल्पाल्पी हारा प्रकट मर्ही किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- मैसर्स गुलमीहर एस्टेट प्रा. लिमि.
415, देविका टावर्स, ८, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (अंतर्रक)
- मैसर्स चांसलर ईंडस्ट्रियल होल्डिंग्स लिमि.
४-बी, मधुरा रोड, जंगपुरा-बी,
नई दिल्ली। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाही मूल्य करता है।

उक्त संपर्क के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन फी प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणात्मकी के पास निविष्ट में किए जा सकें।

सामीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में यथा-संरिधापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनस्त्री

फ्लेट नं. 410, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

અનેક્ષેન્ટ 605 અર્ગ ફોટો

सुरीका २१-५-८७

੮੫

* (जो लग न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)] Range 1/37EF/8-86/3219.—
Whereas I, S.C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and being No. Flat No. 410, at 38, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd.,
415, Devika Towers,
6, Nehru Place,
New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Chancellor Industrial Holdings Ltd.,
4-B, Mathura Road,
Jangpura-B,
New Delhi. (Transferee)

(3) (Person(s) in occupation
of the property)

(4) (Person(s) whom the
undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 410, at 38, Nehru Place, New Delhi.
Area 605 Sq. ft.

Date 21-5-1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं. आई.ए.सी./एस्यू/1/37EE/8-86/3324—अन्तः मुद्रे, एस० मी० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब० के अधीन संक्षम अधिकारी वो यह विषयाग्र करने का कारण है कि स्थानकर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैट नं. 413, 38, नेहरू प्लैन, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपरावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), *मकान अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269ब० के अधीन तारीख अगस्त 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृष्ट्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयाग्र करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिकल के पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्तिधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिधा के लिए,

अन्तः प्रब्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुग्रहण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब० की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्—

- 1. मैमसं गुलमोहर एस्टेट प्रा. लिमि.
413, देविका टावर्स, 6, नेहरू प्लैन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. मैमसं जी० पा० नूयर
111, दीपाली, 92, नेहरू प्लैन, नई दिल्ली। (अन्तर्भीकरण)
- 3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में साप्ति है)
- 4. (यह व्यक्ति जिसके द्वारा मैमसं गुलमोहर एस्टेट प्रा. लिमि. की अधीकारी जाना जाता है कि वह संपत्ति में हितवाल है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए आदेशही गूच करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षयः

- (क) इस सूचना के राजनय में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्परवैधी अन्तिम तारीख अगस्त 1986 के अधीन संपत्ति की अवधि धारा 269ब० के मानक हाई हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजनय में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवाल द्विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकारी के पास लिखित में लिए जा रखें।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 413, 38, नेहरू प्लैन, नई दिल्ली।

धन 605 अर्ध फीट।

तारंग : 21-3-87

माहर :

* (जो सारू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C.(Acq) [Range I/37EE/8-86]3224.—Whereas I, S.C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 413 at 38, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd.,
415, Devika Towers,
6, Nehru Place,
New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. G. S. Luthra,
111, Deepali,
92, Nehru Place,
New Delhi. (Transferee)

(3) (Person(s) in occupation
of the property)

(4) (Person(s) whom the
undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 413, at 38, Nehru Place, New Delhi.
Area 605 Sq. ft.

Date 21-5-1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश म. आई. प.सी./पर्स. 1/378/8-86/3249 :—अतः मुझे, पर्स. सी. मुख्य आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दामें इसके पास्थान् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) की धारा 269ब० के अधीन मम्मम अधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्मनि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी मूल्या है तथा जो फ्लैट नं. 1319, 38, नेहरू प्लैम, नई दिल्ली में स्थित है (अतः इसमें उत्तरात्तर अनुभूति में पूर्ण रूप से वर्णित है), “सशम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269ब० के अधीन तारीख अगस्त 1986 को पूर्वोक्त

मम्मनि के उचित बाजार मूल्य से कम दूष्यमान प्रतिक्रिया के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथादृष्टिकृत सम्भवि का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिक्रिया से, जैसे दूष्यमान प्रतिक्रिया के पद्धति प्रतिक्रिया अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षी) और अन्तरिक्षी (प्रत्यक्षितिकृत) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नए पारा गया तिक्तन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हा से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूर्वा किमी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये और

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनहर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए वा उक्तने में सुविधा के लिये,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 वा की उप-धारा (1) के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी मैमसं गुलमोहर गास्टेंट्र प्रा. लि. (अन्तरक) ११५ देविका द्वारा, 6, नेहरू प्लैम, नई दिल्ली।
2. श्री जगदीश मपरा मूपुव श्री ईश्वर दाम सपरा एड उमा सारा पत्नी श्री जगदीश मपरा ए. १/२४४, मकाररंग इलेव्न, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्मति है)
4. (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्मति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्योग्य सम्भवि के अर्जन के लिये कार्यवाही पूर्ण करता है।

उक्त सम्भवि के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भवि में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

अट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के अध्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1319, 38, नेहरू प्लैम, नई दिल्ली।

फ्लैट स्केट 584 वर्ग फीट।

तारीख: 21-5-87

मोहरः

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

Ref. No. I.A.C. (Acq) | Range-1 | 37EE/8-86/3249.— Whereas I S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1319 at 38 Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd.,
415, Devika Towers,
6, Nehru Place,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Jagdish Sapra S/o Shri Ishar Dass Sapra and Mrs. Uma Sapra W/o Sh. Jagdish Sapra, Ro A-1/244, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferee)
- (3) Person(s) in occupation of the property
- (4) Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1319 at 38, Nehru Place, New Delhi.
Flat area 584 Sq. ft.

Date : 21-5-1987.

Seal :

*Strike off where not applicable.

निम्नोंग्रंथ में आई.ए.सी. /एन्से. /1/37ए/8-86/3235 —अतः मध्ये एम सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269बी के अधीन सकारात्मकों को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मूल्यांकन कार्य जो प्लैट नं. 407, अंमल टावर, 38, नेहरू प्लॉन्ट, नई दिल्ली, में स्थित है (शीर्ष इसमें उपावाह अनुमति में एक रुप से वर्णित है) *मध्यम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269बी के अधीन अगस्त 1986 को पूर्णोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिपत्ति के लिये अन्तरित की गई है और मध्ये यह विष्वास करने का कारण है कि श्रद्धापूर्वक उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्ति में, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्ति के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्गत (अन्तर्गतों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्गत के लिये नया पाया गया अन्तर्गत प्रतिपत्ति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत निम्निति में बास तत्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तर्गत से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन वर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कर्मी करने या उसमें बचने में सविधा के लिये और
- (ख) एसी किसी आय का या किसी धन या अन्य अन्तर्गतियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया आता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिये,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-बी के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-बी की उग-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अर्थात्—

1. मैमर्स गुलमोहर प्लैट प्रा.पि.
415, वेविका टावर, नेहरू प्लॉन्ट, नई दिल्ली। (अन्तर्गत)
2. श्रीमंती पालंग मैड सास्टर उदय नारंग
प-43, न्यू फ्रेन्च कलोनी, नई दिल्ली। (अन्तर्गती)
3. (वह अकिन जिसके अधिभोग में सम्बन्धि है)
4. (वह अपित जिसके बारे में अधोग्रन्थाकारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में लिंगदाता
शुल्क करता है।)

को यह मूल्य जारी करके पूर्णोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यालयी शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंदिर में कोई भी आक्षेपः

(a) एग सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सूचनाएँ व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(b) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवत्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षितात्मी के पास विवित में किसी जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रत्यय 20-के यथा-परिभासित हैं, वही प्रथा होता जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

फैट नं 407, असल टावर, 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली। अंतर 597 वर्ग फीट।

तारीख : 21-5-1987

माहूरः

*(जो लागू न हो उसे काट रीजिये)

Ref. No. I.A.C. (Acq) [Range-I] 37EE/8-86/3235.—Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 407, Ansal Tower, 38 Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and *registered with the Competent Authority u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48D(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1952).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;

- (1) M/S. Gulmohar Estates (P) Ltd. 415, Devika Tower, Nehru Place New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Sandeep Narang & Master Uday Narang.

A-43 New Friends Colony, New Delhi (Transferee)

(3) (Person(s) in occupation of the property).

(4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 407, Ansal Tower, 38 Nehru Place, New Delhi, Area 597 Sq. ft.

Date : 21-5-1987.

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्देश में आई.ए.सी. /एफ / 1/37 ई/8-86/3236:—प्रत पृष्ठे, एम सी. गुल्मोहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके प्रत्यापु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 या के अधीन व्यापक अधिकारी को यह विषयाम करने का कानून है कि व्यापक मम्पति तिसका उचित वाजार मूला 1,00,000/- रु. में अधिक है और विक्री गोला है तथा जो फैट नं. 1408 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली में विक्री है (और इसमें उपर्युक्त मम्पति में पांच साल से बड़ी है)। *मम्पति अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कानून के अधीन नागीन अगस्त 1996 को पुरोक्त मम्पति के उचित वाजार मूल्य से कम वृद्ध्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मध्ये यह विषयाम करने का कानून है कि व्यापरोंका मम्पति का उचित-वाजार मूल्य, उसके वृद्ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यापार अप्रतिफल के पद्धति प्रतिफल अधिक हैं और अन्यथा (अन्यरक्ती) और अस्तित्वी (अन्तित्वीयों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल तिसकी विविधता से उक्त अन्तरण विविधत में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में ही किसी धारा की वाक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिक्षम में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनतार्थ अन्तरिक्षी व्यापक वापर नहीं किया रखा जाना चाहिए था, उसमें में सुविधा के लिए,

जहां यह उक्त अधिनियम की धारा 269C के अनुसरण में से उक्त अधिनियम की धारा 269C की उपधारा (1) के अधीन निम्न विवरण व्यक्तियों अर्थात्—

१. श्री/श्रीमती/कुमारी सुनीत गुप्ता निम्न उक्ताना यारी, अनिल गुप्ता पट सम (एच बी एफ) 202, योगेश्वर एम-2 कनॉट प्लैस, नई दिल्ली।
(अन्तर्क्र)

२. श्री/श्रीमती/कुमारी क.के. अनन्दा निम्न, तीरा भवना 32 हैमवृत्त, नई दिल्ली।
(अन्तर्क्र)

३. श्री/श्रीमती/कुमारी
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिमान में समाचार है)

४. श्री/श्रीमती/कुमारी
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिनियम की जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितरदा है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वी समाचार के अन्तर के लिए कानूनी रूप करता है।

उक्त गवानि के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आदेश

१. इस सूचना के राजाने में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन तक अधिकारी निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा सूचना को नामीन में 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकाल अधिनियम में कियी जाती है।

२. इस सूचना के राजाने में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितरदा कियी अन्य अधिकारी द्वारा, अधिनियम के गाय विविध में किया जा सकते हैं।

वर्षोंकरण—इसमें प्रत्यक्ष गद्दों और पदों का, जो आयकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथानियमानन्द हैं, वे प्रथम होता जा उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची ।

फैला न. 1408, अंसल टावर, 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली
प्रेस्च एस. वर्ग फॉर्म।

तारीख 21-5-1987

संीकार :

"जो आपने ही उस कानूने

Re. No. I.A.C. (Acq) [Range-I/37EE/8-86/3236.—Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1408, Ansal Tower situated at 38, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :

327 GI/87—2

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Sh. Sunil Gupta, Mrs. Urmila Rani Anil Gupta Son (HUF), 202 Yogeshwar, M-2, Connaught Place New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. K. K. Bhalla, Mrs. Neera Bhalla 32 Hemkunt, New Delhi. (Transferee)

(3) (Person(s) in occupation of the property).

(4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1408, Ansal Tower, 38, Nehru Place, New Delhi. Area 580 sq. ft.

Date : 21-5-87

Seal :

*Strike off where not applicable.

निर्देश म. आई.ए.सी.एस. / 37EE/8-86/3239—प्रन. मुद्रा
एम.सी.एस. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 के अधीन संक्षम अधिकारी को यह विषयाल संग्रह का कानून है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 1408 है और तथा जो फैला नं. 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावर अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), संक्षम अधिकारी के कानूनीय में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का के अधीन नारंग अगस्त 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम दृष्टिभान प्रतिफल के लिए अनुलिपि की गई है और मैंने यह विषयाल कलने का कानून है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृष्टिभान प्रतिफल से ऐसे दृष्टिभान प्रतिफल के पद्धति प्रतिनिधि अधिक है और

ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) और प्रतिरक्षी (प्रतिरक्षीयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब याया गया प्रतिकाल नियमिति उत्तरण में उत्तर अस्तरण विधि में वास्तविक स्थान से कथित नहीं किया गया है।

(क) ग्रन्तरण में हुई किसी आय की वापर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के विषय में किसी करने या उसमें अचले में सुविधा के लिए द्वारा

(ख) ऐसी नियमी आय या किसी धन या ग्रन्त प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उत्तर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय ग्रन्तरकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, जिसमें सुविधा के लिए,

प्रमः अब उत्तर अधिनियम की वारा 269-ए के प्रत्येक से मैं उस अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन नियमिति व्यक्तियों अधीन—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी सेसर्ट ग्रन्तमानहान प्रेस्टेट प्रा नि 415, देविका टावर 6 नेहरू प्लैस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी मास्टर गोप्य अरोड़ा, सुनुव जगदीण चन्द्र अरोड़ा एंड उमा अरोड़ा पन्नी श्री जगदीण चन्द्र अरोड़ा निवासी-ए-1/228, मकारांग एनक्लेय, नई दिल्ली (ग्रन्तरकी)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके प्रधानाग में सम्मान है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अचाहस्ताधरी जानता है कि वह गमनि में लिनकर है)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वान्त मम्पनि के अर्जन के लिए कांप्रेशनी शुरू करता है।

उक्त मम्पनि के अर्जन के गवान्त में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिनों की अवधि या ताम्बवन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के बाद में ममाल होती हो, के भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों से किसी अधिन द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के द्वितीय उक्त स्थायर, मम्पनि में लिनकर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अदाहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

गणांकण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पक्षों का, जो आयकर योग नियम 1961 (1961 का 43) के अधाय 20-का में प्रयोगिकायापन है, वही अर्व होगा जो उग अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1413, 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली 1, प्लैट नं. 610 वर्ग फीट।

तारीख: 21-5-87

मालिक:

*(जो लागू न हो उम काट व.जिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq) Range-1,37EE/8-86/3239.—Whereas I. S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Flat No. 1413, at 38 Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and “registered under, has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T.

Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) M/s. Gulmohar Estates (P) Ltd. 415, Devika Towers, 6, Nehru Place New Delhi. (Transferor)
- (2) Master Gaurav Arora, son of Shri Jagdish Chander Arora & Mrs. Uma Arora, W/o Shri Jagdish Chander Arora, R/o A1/228 Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferee)
- (3) (Person(s) in occupation of the property).
- (4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1413, at 38 Nehru Place, New Delhi
Flat area 610 Sq. ft.

Date : 21-5-87

Seal :

*Strike off where not applicable.

निवेश में ब्रांड ए. सी./एक्स्ट्रा/1/37EE/8-86/3242:—अन्तः
मुझे एग. सी. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसके पांचवां 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269ब्र के अधीन सथान अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर भवन, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मूल्या..... है तथा जो फैट नं. 1414, 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावधि अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सथान अधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269ब्र के अधीन नारीय अग्रस्त 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अवधारणा विवर में दर्शाया जा रहा है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बायन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के साथ-साथ में कर्ता करने या उसमें वर्तने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भ्रन या अन्य अवधियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नक्ती किया गया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए,

अन्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर मैं भवत अधिनियम की धारा 269ब्र की उपधारा (1) के प्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवधारणा—

1. श्री/प्रामदी/कुमारी मैसर्स ग्रामदाहर एस्टेट प्रा. नि.
+15, देविका टावर, 6, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री/प्रामदी/कुमारी मैसर्स भट्टाचार्य एस्टेट
बी-7, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके व्यक्तिभाग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके वर्त में प्रयोग्यताभरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवधारण के लिए कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अवधारण के संबंध में कोई भी आवेदन:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाया, प्रयोग्यताशरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाकों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधायाय 20-क में यथा-परि। भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है

प्रत्यक्षी

फैट नं. 1414, 38, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली। फैट एवं 580 तरीं कीट मुपर लेन।

चारोंवाह: 21-5-87

मील।

* (जो ताग न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq.) | Range-I|37 EE|8-86 3242.—Whereas, I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Flat No. 1414 at 38, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and registered under, has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) M/s. Gulmohar Estate (P) Ltd., 415, Devika Towers, 6, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Bhutani Estates, B-7, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)
- (3) (Person(s) in occupation of the property)
- (4) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this

notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1414, at 38, Nehru Place,
New Delhi.
Flat Area 580 Sq. fts.
(Super Area)

Date : 21-5-1987

Seal

*Strike off where not applicable.

निर्णय मं. ग्राहि. ए. सी./एक्यू. /1/37EE/8-86/3226 :— प्रति: सम्में प.स. सी. गुप्ता, ग्राहकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पास्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व्य के अधीन यक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैट नं. 1214, 38, नेहरू प्लैन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें ज्यादातः अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्राहकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का के अधीन नारीश्वर अगस्त 1986 को प्रवर्तित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकरण के लिए अन्तरिक्ष की गई है और सुमेर यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकरण में अधिक है और इसके दृश्यमान प्रतिकरण के पद्धति प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) और अन्तरित (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह प्राप्त गया प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत ग्राहकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में मुकिधा के लिए; औ

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हर भारतीय ग्राहकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्राहकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनक अधिनियम 1957 का 27 के प्रोजेक्टार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया जाना चाहिए था, जिसने मैं गुविधा के लिए,

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. ध्री/ध्रीमती/कुमारी अमल प्रोप्रीटीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा. नि. (अन्तरक) 115, असल भवन, 16, के जी मार्ग, नई दिल्ली ।

2. ध्री/ध्रीमती/कुमारी विवेक महगल द्वारा बी एम सहायता (अन्तरिक्षी) छी जी आफ पोलिस एंड डायरेक्टर संपैस्स एस्टाबिलिसमेंट लोकायुक्त (एम पी)

3. ध्री/ध्रीमती/कुमारी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. ध्री/ध्रीमती/कुमारी

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीक्षकाकारी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

प्र॒ इह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायेवादी शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती है, के भावत पूर्वोक्त अविक्तियों में किसी अविक्त द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भावत उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षकाकारी के पास तिक्तित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का जा यायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 1214, 38 नेहरू प्लैन, नई दिल्ली ।

भवन 580 वर्ग फीट।

ह/-

एस० सी० गुप्ता, सक्षम अधिकारी
सहायक ग्राहकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
*(जो लागू नहीं उसे काट दो) अर्जन नई दिल्ली-110002

Ref. No. I.A.C. (Acq.) Range-I/37EE/8-86/3226.—Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing No. Flat No. 1214, 38 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and *registered under, has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD(4) of the Income Tax Rules 1962 in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed

by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Vivek Saihgal C/o Sh. B. M. Saihgal,
D. G. of Police & Director Special Police
Establishment,
Lokayukt (M.P.) (Transferee)
- (3) (Person(s) in occupation
of the property)
- (4) Person(s) whom the
undersigned knows to
be interested in
the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of

this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation.—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1214, 38, Nehru Place,
New Delhi.
Area 580 Sq. ft.

Date : 21-5-1987.

Seal :

*Strike off where not applicable.

Sd/-

S. C. GUPTA, Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax) Acquisition Range-I,
New Delhi-110002

